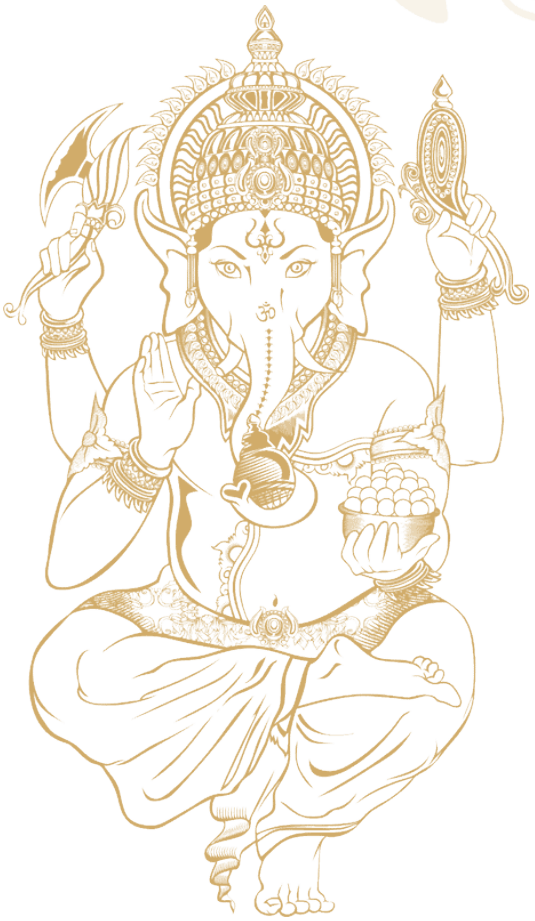

Mrs.salu

22 Sep 2025

12:05 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121046806

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/09/2025**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:05:00 घंटे**
इष्ट	16:31:31 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:25:16 घंटे
वेलान्तर	00:07:16 घंटे
साम्पातिक काल	12:30:47 घंटे
सूर्योदय	05:28:23 घंटे
सूर्यास्त	17:36:02 घंटे
दिनमान	12:07:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:18:15 कन्या
लग्न के अंश	01:54:02 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुक्ल
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	01:54:02	326:34:24	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	05:18:15	00:58:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			कन्या	10:20:54	12:16:08	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	05:44:44	00:40:18	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	कन्या	12:32:42	01:43:20	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु			मिथु	27:05:40	00:08:30	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	09:08:29	01:13:26	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	04:12:42	00:04:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:09:03	00:00:41	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:09:03	00:00:41	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	07:08:19	00:00:48	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	06:34:30	00:01:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:15:37	00:00:36	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कन्या	14:09:50	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

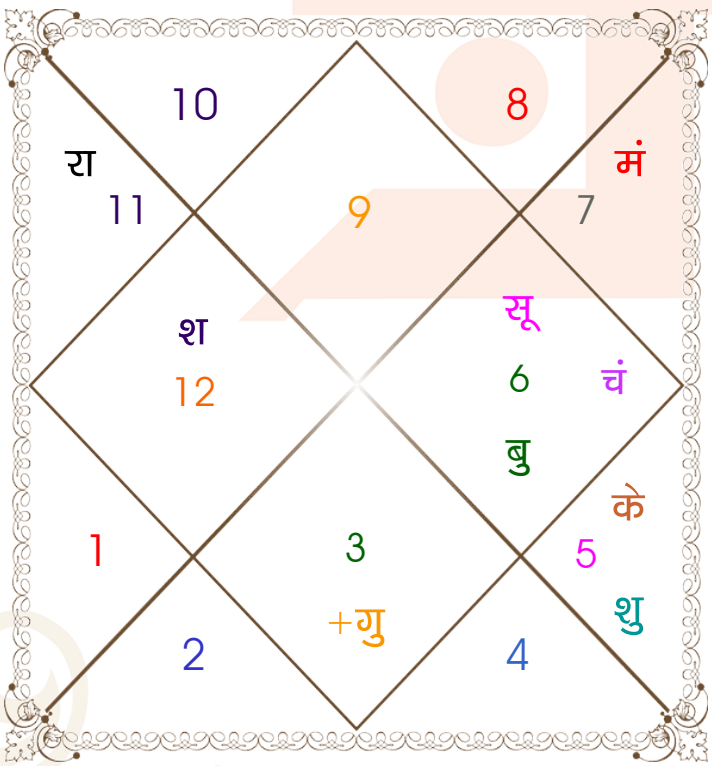

चन्द्र कुंडली

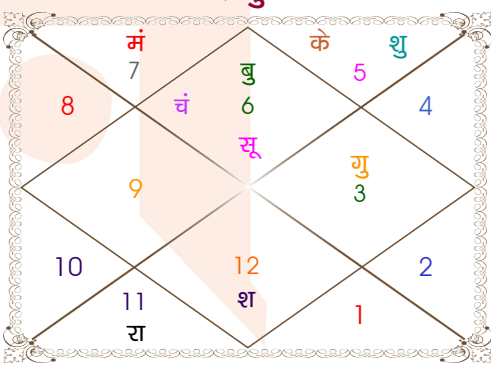

नवमांश कुंडली

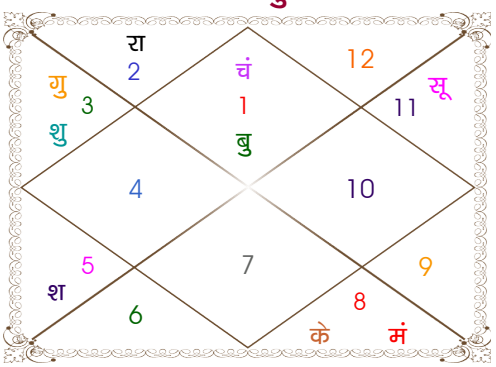

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 8 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/09/2025		19/06/2035		19/06/2042		18/06/2060		18/06/2076	
19/06/2035		19/06/2042		18/06/2060		18/06/2076		19/06/2095	
चंद्र	19/04/2026	मंगल	15/11/2035	राहु	01/03/2045	गुरु	07/08/2062	शनि	22/06/2079
मंगल	18/11/2026	राहु	03/12/2036	गुरु	26/07/2047	शनि	17/02/2065	बुध	01/03/2082
राहु	19/05/2028	गुरु	09/11/2037	शनि	01/06/2050	बुध	26/05/2067	केतु	10/04/2083
गुरु	18/09/2029	शनि	18/12/2038	बुध	18/12/2052	केतु	01/05/2068	शुक्र	10/06/2086
शनि	19/04/2031	बुध	16/12/2039	केतु	05/01/2054	शुक्र	31/12/2070	सूर्य	23/05/2087
बुध	18/09/2032	केतु	13/05/2040	शुक्र	05/01/2057	सूर्य	19/10/2071	चंद्र	21/12/2088
केतु	19/04/2033	शुक्र	13/07/2041	सूर्य	30/11/2057	चंद्र	17/02/2073	मंगल	30/01/2090
शुक्र	18/12/2034	सूर्य	18/11/2041	चंद्र	01/06/2059	मंगल	24/01/2074	राहु	06/12/2092
सूर्य	19/06/2035	चंद्र	19/06/2042	मंगल	18/06/2060	राहु	18/06/2076	गुरु	19/06/2095

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/06/2095		19/06/2112		20/06/2119		20/06/2139		20/06/2145	
19/06/2112		20/06/2119		20/06/2139		20/06/2145		00/00/0000	
बुध	15/11/2097	केतु	15/11/2112	शुक्र	20/10/2122	सूर्य	08/10/2139	चंद्र	23/09/2145
केतु	12/11/2098	शुक्र	16/01/2114	सूर्य	20/10/2123	चंद्र	07/04/2140		00/00/0000
शुक्र	13/09/2101	सूर्य	23/05/2114	चंद्र	20/06/2125	मंगल	13/08/2140		00/00/0000
सूर्य	20/07/2102	चंद्र	23/12/2114	मंगल	20/08/2126	राहु	08/07/2141		00/00/0000
चंद्र	20/12/2103	मंगल	21/05/2115	राहु	19/08/2129	गुरु	26/04/2142		00/00/0000
मंगल	16/12/2104	राहु	07/06/2116	गुरु	19/04/2132	शनि	08/04/2143		00/00/0000
राहु	05/07/2107	गुरु	14/05/2117	शनि	20/06/2135	बुध	13/02/2144		00/00/0000
गुरु	10/10/2109	शनि	23/06/2118	बुध	20/04/2138	केतु	19/06/2144		00/00/0000
शनि	19/06/2112	बुध	20/06/2119	केतु	20/06/2139	शुक्र	20/06/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 8 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाली प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रही है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलती रहती हैं। परंतु यह नहीं सोचती हैं कि बातों की सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपके कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपके भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकती। आप चिंतन कर सकती हैं कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगी।

साथ-साथ घरेलू मामलों में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपने प्यारे पति एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगी। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करती हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताती हैं। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखती हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझती हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगी।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकती हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाली बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकती हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।